श्रावण मास, कृष्ण पक्ष 1 वर्ष, अंक 61, पृष्ठ 4, मूल्य 1.00

अखण्ड भारत सन्देश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज मंगलवार, 6 अक्टूबर, 2020 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान की एक अनुपम भेंट

यूपी में निजीकरण के विरोध में बिजली कर्मी कई जिलों में बत्ती गुल

निजीकरण के विरोध में प्रदर्शन करते बिजली कर्मी

लखनऊ, जेएनएन। पूर्वांचल विद्युत विरतण निगम लिमिटेड (पीवीवीएनएल) के निजीकरण को लेकर उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन प्रबंधन और बिजली कर्मियों के बीच पाला खिंच गया है। निजीकरण के विरोध में आंदोलनरत कर्मियों की चेतावनी के बावजूद समझौते का कोई रास्ता नहीं निकला और सोमवार को कर्मचारी अनिश्चितकालीन पूर्ण कार्य बहिष्कार पर चले गए। इस प्रदेशव्यापी आंदोलन से पूर्वी उत्तर प्रदेश के वाराणसी, देवरिया, गोरखपुर, चंदौली, आजमगढ़, मऊ, मीरजापुर समेत कई जिलों की बिजली आपूर्ति भी प्रभावित हुई है। इस कारण उपभोक्ताओं की शिकायतें नहीं सुनी गई और अन्य काम भी प्रभावित रहे।

निजीकरण के विरोध में बिजली कर्मचारियों ने सोमवार पूरे दिन कार्य बहिष्कार किया। कार्य बहिष्कार के पहले दिन सोमवार को ही सरकार की तैयारियां धरी रह गईं। कंट्रोल रूम फेल तो विद्युत आपूर्ति सुचारु बनाए रखने के लिए लगाई गई भारी भरकम टीम फाल्ट दुरुस्त करना तो दूर बहुतायत क्षेत्रों में इसे ढूंढ़ पाने में ही असफल रही। इसका फायदा बिजली कर्मियों ने उठाया और प्रशासनिक व्यवस्था को खूब छकाया। फॉल्ट की मरम्मत सहित उपभोक्ता सेवाओं से जुड़े कामकाज प्रभावित रहे। इस बीच ऊर्जा प्रबंधन और जिला प्रशासन ने बिजली सप्लाई बहाल रखने के लिए पुलिस के पहरे के साथ कई वैकल्पिक इंतजाम किए, लेकिन फॉल्ट के आगे सभी फेल हो गए। राज्य के कई जिलों में आपूर्ति ठप रही। लोगों को बिजली-पानी के लिए परेशान होना पड़ा।

पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के निजीकरण के ऊर्जा निगम प्रबंधन के फैसले के विरोध में विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के बैनर तले सभी बिजली कर्मचारियों, जूनियर इंजीनियरों और अभियंताओं ने उत्तर प्रदेश के सभी जिलों और परियोजनाओं पर अनिश्चितकालीन पूर्ण कार्य बहिष्कार शुरू कर दिया है। संघर्ष समिति का दावा है कि उसके समर्थन में केरल, तमिलनाडु, कनार्टक, महाराष्ट्र, गुजरात, मध्यप्रदेश, पंजाब, हरियाणा, जम्मू कश्मीर, लद्दाख, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल सहित अन्य प्रांतों के कुल 15 लाख बिजलीकर्मियों ने भी कार्य बहिष्कार किया।

समिति पदाधिकारियों का कहना है कि ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा और ऊर्जा निगम के साथ पूर्व में समझौता हुआ था कि विभाग के कर्मियों को विश्वास में लेकर ही कहीं भी निजीकरण किया जाएगा। यह समझौते का उल्लंघन है।संघर्ष समिति ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से प्रभावी हस्तक्षेप की पुनः अपील की है।

समिति की ओर से शैलेंद्र दुबे, एके सिंह, प्रभात सिंह, जीबी पटेल, जय प्रकाश, गिरीश पांडेय, सुहैल आबिद, महेंद्र राय आदि आंदोलन की कमान संभाले हुए हैं। वहीं, ऊर्जा निगम प्रबंधन और शासन पहले ही तैयारी कर चुका था कि कार्य बहिष्कार का असर बिजली आपूर्ति पर न पड़े। आपूर्ति बाधित करने का ऐलान संघर्ष समिति ने भी नहीं किया। हालांकि, कई जगह बिलिंग, नए कनेक्शन जैसे विभागीय काम जरूर प्रभावित हुए।

राजनीतिक समर्थन जुटाने में लगी रही ऑफिसर्स एसोसिएशन : संघर्ष समिति ने जहां कार्य बहिष्कार कर दिया है, वहीं उत्तर प्रदेश पावर ऑफिसर्स एसोसिएशन ने आंदोलन की दूसरी राह पकड़ ली है। चूंकि इस संगठन ने निजीकरण को आरक्षण के लिए खतरा बताया है, इसलिए फैसले के खिलाफ राजनीतिक समर्थन जुटाने की कवायद जारी है। अपने आंदोलन के चौथे दिन सोमवार को एसोसिएशन के कार्यवाहक अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा के नेतृत्व में दस सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के बाहर होने की वजह से उनकी तरफ से सपा के मुख्य प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी को एक ज्ञापन सौंपा। प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोहिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव और लोकदल के राष्ट्रीय प्रवक्ता अनिल दुबे से भी मुलाकात कर सहयोग मांगा। एसोसिएशन का कहना है कि जल्द ही राष्ट्रीय दलों के राष्ट्रीय नेताओं से भी मुलाकात कर उनसे भी सहयोग मांगा जाएगा। प्रतिनिधिमंडल में उपाध्यक्ष एसपी सिंह, अतिरिक्त महासचिव अनिल कुमार, सचिव आरपी केन, संगठन सचिव अजय कुमार, प्रेम चंद्र, आनंद कनौजिया आदि शामिल थे।

एनसीआर होगा जल्दी ही दुनिया का सबसे बड़ा कैपिटल रीजन

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली। केंद्रीय शहरी विकास मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने एनसीआर प्लानिंग बोर्ड की 39वीं बैठक में कहा कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (NCR) का बढ़ता दायरा उसे जल्दी ही दुनिया का सबसे बड़ा 'राजधानी क्षेत्र' बना देगा। एनसीआर के इंफ्रास्ट्रक्चर विकास में कई बड़ी परियोजनाएं जुड़ गई हैं। इनमें नोएडा से ग्रेटर नोएडा मेट्रो प्रोजेक्ट, जयपुर में द्रव्यवती नदी का पुनरोद्धार, गाजियाबाद में 52 किमी लंबाई का सिक्स लेन एलीवेटेड रोड और केएमपी एक्सप्रेस वे प्रमुख हैं। एनसीआर का दायरा उत्तरोत्तर बढ़ रहा है, जो कभी 30 हजार वर्ग किमी तक था, वह वर्तमान में बढ़कर 55 हजार वर्ग किमी की सीमा को भी पार कर गया है।

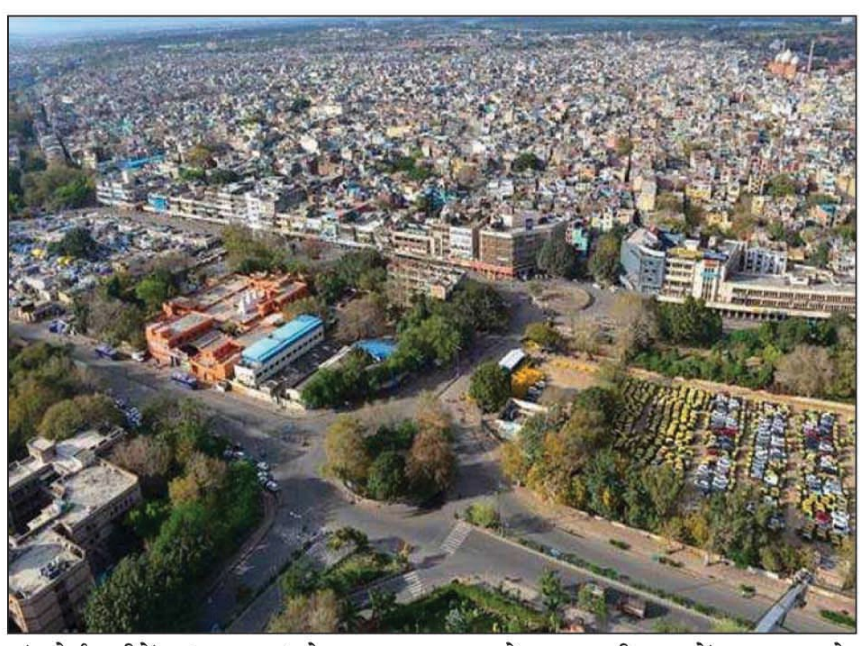

हरदीप सिंह पुरी ने सोमवार को यहां कहा कि बोर्ड दो रेसीप्रोकल कॉमन ट्रांसपोर्ट एग्रीमेंट (RCTA) के माध्यम से बसों, टैक्सियों आदि के लिए पारस्परिक काउंटरों के परमिट की एक प्रणाली को 'कांट्रैक्ट कैरिज' और 'स्टेज कैरिज' के लिए, औपचारिक रूप देकर एनसीआर में यातायात के निर्बाध आवाजाही के लिए प्रणालियों के विकास की सुविधा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस पर एनसीआर में भागीदार राज्य सरकारों के बीच एक दशक पहले हस्ताक्षर किए गए थे। क्षेत्रीय योजना की व्यापक नीतियों और प्रस्तावों को जमीनी हकीकत में बदलने के लिए यह जरूरी है कि उप-क्षेत्रीय योजनाओं को एनसीआर के राज्य तैयार करें।

एनसीआर का तेजी से बढ़ा दायरा और इंफ्रास्ट्रक्टर भी हुआ डेवलपमेंट

एनसीआर की बढ़ती आबादी वर्ष 2030 तक विश्व की किसी भी कैपिटल रीजन से अधिक हो जाएगी। यहां की आबादी वर्ष 2011 की जनगणना के मुताबिक 5.81 करोड़ थी। लेकिन जिस रफ्तार से एनसीआर का दायरा बढ़ा और इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट हुआ, उससे तो यहां की आबादी बहुत अधिक हो चुकी होगी। अगले एक दशक में यह क्षेत्र आबादी के लिहाज से भी बहुत बड़ा हो जाएगा। इसके मद्देनजर अगले 20 सालों के हिसाब से वर्ष 2041 के लिए एनसीआर का जो मास्टर प्लान बनाया जा रहा है, उसके समक्ष बहुत बड़ी चुनौतियां होंगी। पुरी ने कहा कि यह हमारे लिए एक अवसर भी है कि आने वाले दिनों को कैसे बेहतर बनाया जाए। इसमें एनसीआर से संबद्ध सभी राज्यों और केंद्र सरकार के बीच बेहतर समन्वय की जरूरत है ताकि समग्र योजनाएं बनाकर उस पर समय से अमल किया जा सके।

अब तक 366 परियोजनाओं को दी गई मंजूरी

एनसीआर प्लानिंग बोर्ड की बैठक में अब तक कुल 366 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई हैं, जिनमें से 269 परियोजनाएं पूरी भी हो चुकी हैं। जबकि 97 परियोजनाओं पर काम चल रहा है। इन सभी 366 परियोजनाओं की कुल लागत 31853 करोड़ रुपये आंकी गई है। पुरी ने बोर्ड की भूमिका को अहम बताते हुए एनसीआर में ट्रैफिक सिस्टम को सहज बनाने पर जोर दिया। उन्होंने राज्यों के बीच सार्वजनिक वाहनों की आवाजाही को सुगम बनाने की दिशा में राज्यों को बढ़कर आगे आना होगा। परस्पर तालमेल से इन वाहनों के आगमन को बेहतर बनाने पर जोर दिया। कॉमन ट्रांसपोर्ट एग्रीमेंट के साथ जमीनी हकीकत के अनुरुप कार्य करने होंगे। बैठक में हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के शहरी विकास मंत्रियों के साथ केंद्रीय शहरी विकास सचिव दुगार्शंकर मिश्रा और केंद्र व राज्यों के आला अफसरों ने हिस्सा लिया।

17 नवंबर को ब्रिक्स शिखर सम्मेलन 'वर्चुअल' में भाग लेंगे पीएम मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनफिंग

नई दिल्ली, जेएनएन। कोविड -19 संकट के बीच सदस्य देशों के बीच सहयोग को और अधिक मजबूत बनाने पर ध्यान केंद्रित करने के साथ ब्राजील, रूस-भारत-चीन-दक्षिण अफ्रीका (ब्रिक्स) समूह की 12 वीं शिखर बैठक 17 नवंबर को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आयोजित की जाएगी। जानकारी के मुताबिक, इस वर्चुअल सम्मेलन में चीनी राष्ट्रपति शी जिनफिंग और पीएम नरेंद्र मोदी भी शामिल होंगे। राष्ट्रपति शी और पीएम मोदी इस दौरान अपना संबोधन भी देंगे। यहां अहम सवाल यह उठता है कि क्या सीमा पर मौजूदा तनाव का मुद्दा परोक्ष तौर पर उठेगा? बता दें कि पिछले काफी समय से दोनों ही देशों के बीच हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं। तो ऐसे में क्या दोनों नेताओं के साझा बयान में रिश्तों की तल्खी झलकेगी? इसपर भी सबकी नजर रहेगी। 17 नवंबर को 12वां ब्रिक्स समिट वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए होगा। भारत में रूसी दूतावास के हवाले से बताया गया कि इस बार का थीम 'ब्रिक्स पार्टनरशिप फॉर ग्लोबल स्टैबिलिटी, शेयर्ड सिक्यॉरिटी ऐंड इनोवेटिव ग्रोथ' होगा। बता दें कि मई में, रूस ने कोविड-19 महामारी के बीच ब्रिक्स शिखर सम्मेलन स्थगित कर दिया था। शिखर सम्मेलन 21-23 जुलाई को सेंट पीटर्सबर्ग, रूस में होने वाला था।

सांसदों और विधायकों के खिलाफ मामले निपटाने के लिए करें वर्चुअल सुनवाई : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसियां। कुछ उच्च न्यायालयों ने पूर्व और वर्तमान सांसदों, विधायकों के खिलाफ लंबित मामले तेजी से निपटाने के लिए वर्चुअल सुनवाई पर दिशा-निर्देश मांगा है। लेकिन, बुनियादी ढांचे का अभाव और फंड की कमी इसमें प्रमुख बाधा है। वरिष्ठ अधिवक्ता विजय हंसारिया द्वारा सोमवार को उच्चतम न्यायालय को सौंपी गई रिपोर्ट में यह बात कही गई है।

अदालत को सूचित किया गया कि पिछले दो साल में वर्तमान और पूर्व सांसदों, विधायकों के खिलाफ आपराधिक मामलों की संख्या बढ़ी है। इसके मद्देनजर इनकी प्रगति पर उच्च न्यायालयों द्वारा सख्त निगरानी की आवश्यकता है। रिपोर्ट के अनुसार इस समय पूर्व और वर्तमान सांसदों तथा विधायकों के खिलाफ लंबित आपराधिक मामलों की संख्या 4,859 है। मार्च 2020 में इनकी संख्या 4,442 थी। रिपोर्ट में कहा गया है, मुकदमों के तेजी से निपटारे की निगरानी के बावजूद पिछले दो साल में पूर्व और वर्तमान सांसदों तथा विधायकों के खिलाफ लंबित आपराधिक मामलों की संख्या में वृद्धि हुई है।

यह रिपोर्ट भाजपा नेता अश्विनी कुमार उपाध्याय की 2016 से लंबित याचिका के जवाब में दाखिल की गई है। उपाध्याय ने सांसदों और विधायकों के खिलाफ लंबित आपराधिक मामलों के निपटारे में अप्रत्याशित विलंब की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए यह याचिका दायर कर रखी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कुछ उच्च न्यायालय ऐसे मुकदमों की तेजी से सुनवाई के लिए प्रत्येक जिले में सत्र और मजिस्ट्रेट स्तर पर विशेष अदालत के गठन के पक्ष में हैं। कई अन्य उच्च न्यायालयों ने संबंधित अदालतों के अधिकार क्षेत्र में ही ऐसे मुकदमों की सुनवाई प्राथमिकता के आधार पर करने का समर्थन किया है।

चीन-पाकिस्तान को वायुसेना प्रमुख का कड़ा संदेश, भारत दोनों फ्रंट पर युद्ध लड़ने के लिए तैयार

नई दिल्ली, एएनआइ। पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ जारी तनातनी के बीच वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल आरकेएस भदौरिया ने कहा कि भारत दोनों फ्रंट पर लड़ने में सक्षम है। उन्होंने कहा कि भारतीय वायुसेना चीन और पाकिस्तान से एक साथ किसी भी संभावित युद्ध को लड़ने के लिए पूरी तरह से तैयार है। उन्होंने कहा कि भविष्य में होने वाले किसी भी संघर्ष में वायुशक्ति हमारी जीत में अहम साबित होगी। वायुसेना किसी भी दुस्साहस का जवाब देने के लिए पूरी तरह संकल्पित है।

लद्दाख के बारे में सवाल पूछे जाने पर वायुसेना प्रमुख ने कहा कि हमने सभी जरूरी जगहों पर तैनाती की है। हम किसी भी स्थिति से निपटने को तैयार हैं। हमारे आस पास पैदा होते हालातों से पता लग गया है कि सेना को मजबूत और तैयार रहने की जरूरत है और मैं आश्वासन देना चाहता हूं कि भारतीय वायुसेना सबसे अच्छी सेनाओं में से एक है। चीन भी हमारी ताकत को समझ गया है। उन्होंने कहा कि हमने रिकॉर्ड समय में राफेल, चिनूक, अपाचे को परिचालन के लिए तैयार किया है। अगले 3 साल में राफेल और एलसीए मार्क 1 स्क्वाड्रन पूरी ताकत के साथ ऑपरेट करेंगे।

चीन के साथ जारी बातचीत पर वायुसेना प्रमुख ने कहा कि यह इसी बात पर निर्भर है कि डिसइंगेजमेंट पर बातचीत कैसी होती है। मुझे उम्मीद है कि बातचीत से ही मामला सुलझेगा। वर्तमान में प्रगति बहुत धीमी है। जमीनी हकीकत को देखकर हम कार्रवाई करेंगे। बता दें कि दोनों देशों के बीच तनाव कम करने के लिए कोर कमांडरों के बीच सातवें दौर की बातचीत 12 अक्टूबर को होगी।

इससे पहले वायुसेना प्रमुख ने कहा था कि हमारे उत्तरी सीमाओं पर वर्तमान सुरक्षा परिदृश्य असहज स्थिति में है। यहां न तो कोई युद्ध की स्थिति है और न कोई शांति की। जैसा कि आप जानते हैं हमारे रक्षा बल किसी भी स्थिति के लिए तैयार हैं। चिनूक, अपाचे और अन्य विमानों के बेड़े के साथ राफेल लड़ाकू विमानों के आने से वायुसेना को मजबूत रणनीतिक क्षमता हासिल हुई है। बता दें कि फ्रांस में निर्मित पांच राफेल लड़ाकू विमानों को 10 सितंबर को वायुसेना में औपचारिक रूप से शामिल किया गया है। विमानों का यह बेड़ा पिछले कई हफ्तों से पूर्वी लद्दाख में उड़ान भर रहा है।

आने वाले दिनों में गैस चैंबर बन सकती है दिल्ली

डॉ. अरविंद कुमार। कोरोना महामारी के बीच प्रदूषण एक बड़ी समस्या के रूप में दस्तक दे रहा है। लॉकडाउन के बाद प्रदूषण घट गया था। आबोहवा साफ हो गई थी। पिछले कई सालों में ऐसी स्थिति बनी थी। यह भी एक कारण हो सकता है जिससे देश में कोरोना से मृत्यु दर कम रही लेकिन एक बार फिर प्रदूषण बढ़ने लगा है। इस वजह से पहले वाली स्थिति वापस होने लगी है। इसका कारण यह है कि सड़कों पर भारी संख्या में वाहन उतरने लगे हैं। अब पंजाब और हरियाणा में पराली जलाने से प्रदूषण और बढ़ेगा। तापमान जैसे-जैसे नीचे गिरेगा, वैसे-वैसे धुआं व धूलकण वातावरण में बहुत ऊपर जाने के बजाय नीचे एकत्रित होना शुरू करेंगे। इस वजह से गैस चैंबर की स्थिति बन जाती है। ऐसी स्थिति में कोरोना श्वसन रोगियों के लिए काल सरीखा बन सकता है।

इटली में यह देखा गया कि वहां दक्षिणी क्षेत्र के मुकाबले प्रदूषण प्रभावित उत्तरी क्षेत्र में कोरोना के मामले व मौतें अधिक हुईं। इसी तरह अमेरिका में हार्वर्ड यूनिर्विसटी के अध्ययन में प्रदूषण के स्तर व मौत के आंकड़ों का तुलनात्मक अध्ययन किया गया। इसमें पाया गया कि पीएम-2.5 का स्तर बढ़ने से मृत्यु दर भी बढ़ गई। कोरोना फेफड़े पर ही अटैक करता है। हेफा फिल्टर के माध्यम से हमने दिल्ली में दिखाया था कि प्रदूषित वातावरण में रहने पर फेफड़े काले हो जाते हैं। क्योंकि पीएम-10, पीएम 2.5 सहित अन्य सूक्ष्म कण सांस के जरिये शरीर में पहुंचकर फेफड़े में जमा हो जाते हैं। दीपावली में यदि पटाखे जलेगें तो उसका धुआं कोरोना संक्रमित मरीजों के फेफड़े में जाएगा।

इस वजह से कोरोना संक्रमितों की हालत बिगड़ सकती है। वैसे भी प्रदूषण के कारण सांस की बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। पिछले साल मेडिकल जर्नल लैंसेट में प्रकाशित एक अध्ययन के मुताबिक तीन दशक में सांस की बीमारी सीओपीडी (क्रोनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज) से पीड़ित मरीजों की संख्या देश में करीब दोगुनी हो गई है। अस्थमा के मरीज भी बढ़े हैं। उस रिपोर्ट के मुताबकि सांस की बीमारियों से पीड़ित 32 फीसद मरीज भारत में हैं। देश में करीब 4.2 फीसद लोग सीओपीडी व 2.9 फीसद लोग अस्थमा से पीड़ित हैं। इसका सबसे बड़ा कारण प्रदूषण को माना गया है। प्रदूषण के कारण कम उम्र के लोगों में भी फेफड़े का कैंसर देखा जा रहा है। जो लोग धूमपान नहीं करते वे भी फेफड़े के कैंसर का शिकार हो रहे हैं। हार्ट अटैक व स्ट्रोक का भी एक बड़ा कारण प्रदूषण है। लिहाजा, कोरोना के इस दौर में प्रदूषण बढ़ना स्वास्थ्य के लिहाज से ज्यादा जोखिम भरा साबित हो सकता है। इसलिए प्रदूषण को रोकने के लिसरकार ने जो र्आिथक पैकेज की घोषणा की है उसके तहत स्वच्छ ऊर्जा के इस्तेमाल को बढ़ावा देना होगा। कोल व पेट्रोल का इस्तेमाल मौजूदा समय के अनुसार करते रहेंगे तब तक प्रदूषण को कम करना संभव नहीं है। क्योंकि प्रदूषण का सबसे बढ़ा कारण थर्मल बिजली संयंत्र, औद्योगिक इकाइयों व वाहनों से निकलने वाला धुआं है। 60-65 फीसद प्रदूषण इन कारणों से होता है। 35 से 40 फीसद प्रदूषण पराली जलाने के कारण होता है। इसलिए पराली जलाने पर रोक जरूरी है। किसानों को पराली के उचित निस्तारण के लिए विकल्प उपलब्ध कराया जाना चाहिए। इसके अलावा सार्वजनिक परिवहन का अधिक से अधिक इस्तेमाल करना होगा। तभी प्रदूषण कम हो पाएगा।

4 अक्टूबर को डेढ़ लाख से ज्यादा यात्रियों ने की विमान यात्रा : हरदीप सिंह पुरी

नई दिल्ली, एएनआइ। कोरोना वायरस के प्रकोप के बीच अब एयरपोर्ट पर यात्रियों की संख्या में काफी इजाफा देखने को मिल रहा है। चार अक्टूबर को तकरीबन डेढ़ लाख यात्रियों ने घरेलू विमान यात्रा की है जबकि करीब साढ़े तीन लाख लोगों की उपस्थिति एयरपोर्ट पर दर्ज की गई है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बताया कि रविवार को कुल 1,68,860 लोगों ने 1,458 उड़ानों से घरेलू यात्रा की। वहीं, कल दिनभर में एयरपोर्ट पर 3,37,234 लोगों की उपस्थिति दर्ज की गई है।

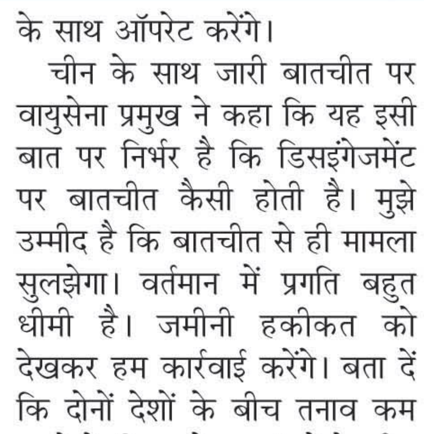

गौरतलब है कि मार्च में कोरोना संक्रमण की शुरूआत के बाद हवाई यात्रा पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया था। इसके कुछ महीने बाद घरेलू यात्रा के लिए अनुमति दे दी गई थी। हालांकि विदेश यात्रा पर से प्रतिबंध अभी भी नहीं हटाया गया है। अनलॉक 5 की गाइडलाइंस के अनुसार, नियमित अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर पाबंदी फिलहाल 31 अक्टूबर तक बढ़ा दी गई है। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने इसे लेकर जानकारी दी थी। महानिदेशक ने बताया था कि कुछ खास मामलों में चुनिंदा रूट पर अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की इजाजत दी जा सकती है। हालांकि मई से वंदे भारत अभियान के तहत विदेशों में फंसे भारतीय नागरिकों को लाने का काम चल रहा है। वहीं जुलाई से कुछ देशों के साथ 'एयर बबल' सिद्धांत पर सीधी उड़ानों का परिचालन किया जा रहा है। इनमें अमेरिका, इंग्लैंड, फ्रांस, यूएई, समेत 15 देश शामिल हैं। इसी समझौते के अनुसार सीधी उड़ानें संचालित हो रही हैं। इसके अलावा नागरिक उड्डयन मंत्री हरदीप पुरी ने बताया था कि हाल ही में दो देशों केन्या और भूटान के साथ 'एयर बबल' सिद्धांत के अनुसार उड़ानें परिचालन करने का समझौता हुआ है। बता दें कि देश में अब तक कुल संक्रमितों का आंकड़ा 65.49 लाख और ठीक हुए मरीजों की संख्या 55.09 लाख पर पहुंच गई है। इसके अलावा मरने वालों की संख्या एक लाख दो हजार 621 हो गई है। सक्रिय मामले 9.37 लाख रह गए हैं।

ग्रामीण अंचल

प्रयागराज मंगलवार, 6 अक्टूबर, 2020

संक्षेप समाचार

निजीकरण को लेकर हड़ताल पर रहे विद्युतकर्मी

सहसों। निजी करण को लेकर विद्युत कर्मचारी एवं संविदा कर्मी सोमवार को हड़ताल पर रहे। जानकारी के अनुसार पूर्वांचल विद्युत वितरण के निजीकरण को लेकर कर्मचारी संघ के आवाहन पर विद्युत कर्मचारी व संविदा कर्मी सोमवार को हड़ताल पर रहे। फिलहाल उनके हड़ताल का असर विद्युत आपूर्ति पर नहीं रहा । परंतु जहां पर थोड़ी बहुत फाल्ट आई उसको ठीक करने के लिए कर्मचारी नहीं पहुंच सके। जिससे विद्युत आपूर्ति बाधित रही। इसके अतिरिक्त कुछ कर्मचारी काम पर लगे रहे जो लगातार ड्यूटी पर बरकरार रही। इसलिए उनके स्थान पर ड्यूटी करने वाला दूसरे कर्मचारी न आने के कारण वे लगातार मजबूरी में कार्य करते रहे। कर्मचारियों के हड़ताल पर चले जाने के कारण ब्रेकडाउन तो लिया गया परंतु उसे ठीक करने के लिए कर्मचारी उपलब्ध न होने के कारण विद्युत आपूर्ति बहाल नहीं की जा सकी। सुरक्षा की दृष्टि से मालवा सहसों पवार हॉउस पर पुलिस के जवान मुस्तैद दिखे।

विद्युत कर्मियों की हड़ताल: देर शाम बहाल हुई बिजली

शंकरगढ़। विद्युत कर्मचारी संघर्ष समिति के आह्वान पर यमुनापार क्षेत्र के विद्युत उपकेंद्रों पर भी हड़ताल का असर देखने को मिला। शंकरगढ़ में भी कर्मचारियों ने कार्य बहिष्कार कर दिया। इस प्रकरण की जानकारी होने के बाद उपजिलाधिकारी बारा ने हस्तक्षेप कर देर शाम विद्युत आपूर्ति बहाल करवाई। विद्युत सब स्टेशन शंकरगढ़ के दो दर्जन से अधिक कर्मचारियों के हड़ताल पर चले जाने के बाद पूर्वाहन 12 बजे ही बिजली कट गई। इसके बाद घंटों बिजली नहीं आई। बिजली नहीं मिलने से जहां एक तरफ लोग गर्मी से बिलबिला उठे। वहीं दूसरी तरफ पेयजल आपूर्ति भी ठप रही। इस मामले की जानकारी क्षेत्रीय लोगों के द्वारा तहसील प्रशासन को दी गई। जानकारी मिलने पर उपजिलाधिकारी बारा गौरव रंजन श्रीवास्तव, नोडल अधिकारी/ खंड शिक्षा अधिकारी कौंधियारा अतुल मिश्रा, लेखपाल गंगा प्रसाद और शंकरगढ़ पुलिस के कर्मचारी विद्युत

बिजली बहाल कराने पहुंचे उपजिलाधिकारी बारा

सब स्टेशन शंकरगढ़ पहुंचे और यहां से आपूर्ति चालू करवाई। देर शाम आपूर्ति चालू होते ही क्षेत्र के पांच दर्जन से भी अधिक गांव में बिजली के बल्ब जल उठे। बता दें कि इस केंद्र से नगर पंचायत शंकरगढ़ के साथ ही आसपास के कई गांव जुड़े हुए हैं। बिजली नहीं मिलने से दिनभर यहां की पेयजल व्यवस्था भी ठप रही। बहरहाल देर शाम बिजली मिलने से लोगों ने राहत की सांस ली।

बैठक के दौरान उपस्थित लोग

कृषि विधेयक से किसानों का शोषण नहीं कर सकेंगे बिचौलिए

शंकरगढ़। नारीबारी मंडल के सुरवल साहनी स्वामी विवेकानंद स्कूल में एक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में मंडल अध्यक्ष अंजनी लाल एवं युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष वीरेंद्र शुक्ला ने किसानों के हित में पास किए गए विधेयक के विषय में जानकारी देते हुए बताया कि भारत सरकार द्वारा किसानों के हित में जो ऐतिहासिक विधेयक पास किया गया है, वह सराहनीय है। इससे किसान अब अपनी फसल मंडी या मंडी के बाहर, जहां भी अच्छा मूल्य मिले वहां बेच सकेंगे। किसान बिचौलियों के शोषण से मुक्त हो चुके हैं। किसानों के हित के इस ऐतिहासिक कानून के लिए हम सभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का आभार व्यक्त करते हैं।साथ ही मंडल के पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए ज्यादा से ज्यादा जानकारी दी।वहीं मंडल महामंत्री पंकज कुमार पाण्डेय ने मंडल पदाधिकारीयों को कई विन्दुओं पर चर्चा कर ज्यादा से ज्यादा जानकारी दी । इस मौके पर मंडल उपाध्यक्ष राजेश केसरवानी, ऋषि मोदनवाल, रामप्रकाश तिवारी, प्रदीप चतुवेर्दी, दिवाकर सिंह, पृथ्वीराज साहू, संजीव पांडे, ताराचंद्र पांडे, अनिल चतुवेर्दी, भारत निषाद, छेदीलाल आदि रहे।

ट्रक की टक्कर से पुत्री की मौत, पिता गंभीर

फूलपुर। बालू लादकर तेज गति से जा रहे ट्रक ने बाइक सवार पिता पुत्री को जोरदार टक्कर मार दी। ट्रक की टक्कर से पिता जहां गंभीर रूप से घायल हो गया वहीं पुत्री की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। उतराव थाना क्षेत्र के मुगरसन गांव निवासी धर्मराज यादव 45 सोमवार सुबह सात बजे अपनी पुत्री लक्ष्मी देवी के साथ एक ही बाइक से फूलपुर जा रहा था। अभी वह फूलपुर कोतवाली क्षेत्र के परासिनपुर गांव स्थित हनुमान मंदिर के पास पहुंचा ही था कि बालू लदी ट्रक ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी । जिससे पुत्री की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई वहीं पिता गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर घायल पिता को सीएचसी फूलपुर में भर्ती कराया।

प्रयागराज में हुई मार्ग दुर्घटना में युवक की मौत, दो घायल

प्रयागराज। सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में सलीम सेरवानी के घर के सोमवार भोर में हुई मार्ग दुर्घटना में मोटर साइकिल सवार युवक की मौत हो गई। हादसे में उसके दो साथी घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए स्वरूपरानी नेहरू चिकित्सालय में भर्ती कराया और हादसे की सूचना परिजनों को देकर विधिक कार्रवाई की। थरवई थाना क्षेत्र के टिकरी सारंगपुर गांव निवासी सत्यम यादव (21वर्ष) पुत्र सोमनाथ यादव सोमवार की भोर अपने दो परिचितों के मोटर साइकिल से कहीं जा रहा था। बताया जा रहा है कि सिविल लाइंस में सलीम सेरवानी के घर समीप मोटर साइकिल अचानक गिट्टी में जाकर गिर गई। हादसे सत्यम यादव समेत तीनों घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी को उपचार के लिए स्वरूपरानी नेहरू चिकित्सालय में भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने सत्यम यादव को मृत घोषित कर दिया। जबकि उसके साथ घायल हुए दो लोगों का उपचार शुरू कर दिया। पुलिस ने हादसे की सूचना परिजनों को देने के बाद शव का पंचनामा करके विधिक कार्रवाई की।

फूलपुर विकास खण्ड में मनरेगा प्रगति की हुई गहन समीक्षा

फूलपुर। मनरेगा के अंतर्गत पशु शेड, मेडबंदी,खेत समतलीकरण के लिए ब्यक्तिगत लाभार्थी का चयन कर अतिशीघ्र कार्य करवाया जाए। किसी भी ग्राम पंचायत में उपरोक्त कार्य हेतु अगर आईडी जेनरेट नहीं की जाती है तो सम्बन्धित कर्मचारी कार्रवाई के लिए तैयार रहें। उक्त बातें फूलपुर विकास खण्ड में सोमवार को मनरेगा प्रगति की समीक्षा करते हुए एडीओ आइएसबी संजय श्रीवास्तव ने कही। तकनीकी सहायक व रोजगार सेवकों के साथ होने वाली समीक्षा बैठक में बिन्दुवार सभी ग्राम पंचायत में मनरेगा प्रगति की समीक्षा की गई। एडीओ आइएसबी संजय श्रीवास्तव गगौर, अरवासी,कुतुबपट्टी उर्फ अहियापुर गांव में ब्यक्तिगत लाभार्थी के चयन में खराब प्रगति पर रोजगार सेवक व तकनीकी सहायक को स्थिति में सुधार लाने की हिदायत दी। मनरेगा एकाउंटेंट राकेश कुमार ने प्रत्येक ग्राम पंचायत की रिपोर्ट प्रेषित करते हुए शत प्रतिशत आधार कार्ड फीडिंग करवाने के साथ लंबित एम आर जमा करने को

समीक्षा बैठक में मनरेगा कर्मियों को निर्देशित करते एडीओ आइएसबी

कहा। मौके पर कम्प्यूटर आपरेटर राजकुमार, रोजगार सेवक विजय चंद्र विश्वकर्मा, सुरेश चंद्र, अनिल कुमार, रविन्द्र मिश्रा, विमल, अजय गुप्ता, कोमलम, रेखा, प्रवीण, उपेन्द्र पटेल, कोमल कुमार चौरसिया, मीरा मौर्य, रेनू पटेल, कल्पना तकनीकी सहायक मानिक सिंह, काशी नाथ, महेन्द्र बिन्द, धरमू राम, नन्द गोपाल, विरेन्द्र मौर्य सहित अन्य रोजगार सेवक व तकनीकी सहायक मौजूद रहे।

पुराना कृषि बिल बहाल रखा जाए : भागीदारी संकल्प मोर्चा

खीरी। भागीदारी संकल्प मोर्चा के तत्वाधान में जन अधिकार पार्टी, जनता क्रांति पार्टी एवं सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के कार्यकर्ताओं ने पूर्व की भांति इस सोमवार को भी दल बल और जन अधिकार पार्टी जिन्दाबाद के नारे लगाते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष जन अधिकार पार्टी माननीय बाबू सिंह के निर्देशानुसार उप जिलाधिकारी कोरांव को 12 सूत्री ज्ञापन सौंपा।

जानकारी के अनुसार जन अधिकार पार्टी के विधानसभा प्रभारी डॉ महेश कुशवाहा ने तहसील परिसर में मौजूद तहसीलदार के स्टेनो संतोष बाबू को ज्ञापन सौंपा। जिसमें डीजल पेट्रोल की बड़ती कीमत को रोकना ,आवारा पशुओं का रोकथाम एवं नई किसान बिल को न लागू करना, नई शिक्षा नीति को न लागू करना तथा वर्तमान समय में हो रही हत्याएं को रोकना और हत्यारो का जांच कर कारवाही करने हेतु तथा तमाम सरकार के द्वारा चलाए जा रहे जन

उप जिलाधिकारी कोरांव को ज्ञापन सौंपते कार्यकर्ता

विरोधी नीतियों को न लागू करने हेतु मांग की गई ।

जिसमें नंदलाल कुशवाहा, पप्पू पाल कोरा व विधानसभा अध्यक्ष, धनंजय कुशवाहा जगदीश आदिवासी समेत दर्जन भर लोगों मौजूद रहे।

निजीकरण ना होने को लेकर धरने पर बैठे पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम के सरकारी कर्मचारी, प्रशासन अलर्ट

लालापुर। निजी करण के विरोध को लेकर पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम के सरकारी कर्मचारी लालापुर सब स्टेशन में विद्युत विभाग कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के संयोजक समेत अन्य पदाधिकारी चल रहे धरना प्रदर्शन को लेकर सोमवार लालापुर पावर हाउस कर्मचारियों को सोमवार को सब स्टेशन पर धरने पर बैठने के लिए और बिजली सप्लाई ना देने के लिए विरोध पर उतरे है जीस को लेकर प्रयागराज डीएम ने प्रशासन को हाई अलर्ट पर रखा गया है और सभी सबस्टेशन विद्युत विभाग पर पुलिस विभाग लेखपाल,को तैनात किया गया है। बताया जा रहा हैकि एक बजे के बाद से33केवी खबर हो गई उसके बनाने के लिए जेई एसडीओ के पास पॉवर है। सैकड़ों गाँव अंधेरा हो गया पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम का निजीकरण किसी भी प्रकार के जनता के हित में नहीं है। इसलिए हम लोग विरोध पर उतरे हैं हमारी मांगे जब तक पूरी नहीं होगी तब तक हमारा विरोध चलता रहेगा इसलिए आज लालापुर,भीटा, सहित पूरे जमुनापार में सभी स्टेशनों पर विद्युत सप्लाई ना देने के लिए किया जा रहा है।

गंगा स्नान करने गया किशोर डूबा अस्पताल ले जाते समय हुई मौत

मेजा। क्षेत्र के दुबेपुर गयागंगा घाट पर गंगा स्नान करने गया किशोर डूब गया आनन फानन में स्थानीय मछुआरों की मदद से बाहर निकाला गया जहां हॉस्पिटल ले जाते समय रास्ते में उसकी मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार सौरभ मिश्रा उर्फ आकर्ष (13) पुत्र सुनील कुमार मिश्रा निवासी कंजौली लेड़ियारी थाना कोरांव अपने फुफा श्रीकांत तिवारी निवासी दुबेपुर थाना मेजा में आया हुआ था। सोमवार सुबह वह दुबेपुर गंगा घाट पर स्नान करने चला गया स्नान करने के दौरान वह गहरे पानी में समा गया और डूबने लगा घाट पर मौजूद लोगों द्वारा शोरगुल करने पर मौजूद स्थानीय मछुआरों ने गंगा में छलांग लगाई जहां कुछ ही देर में उसे बाहर निकाला गया सूचना पर पहुंची

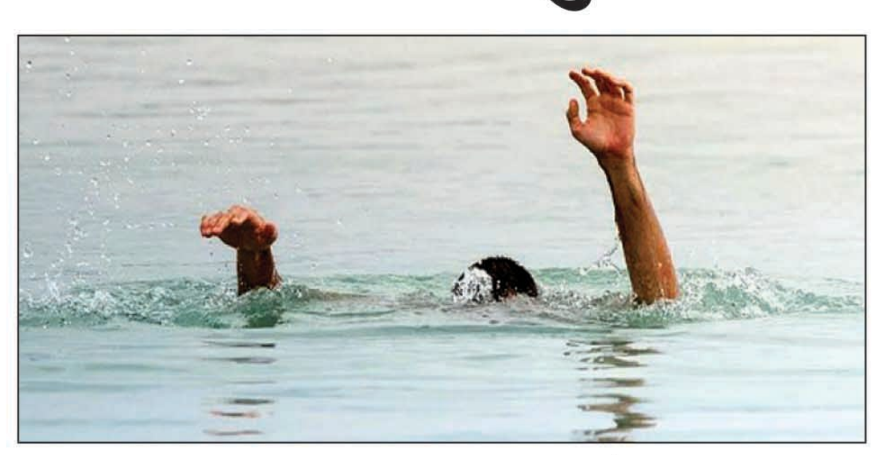

डायल 112 आनन-फानन में उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामनगर लेकर गये लेकिन सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में परिजन डाक्टरों को आवाज देते रहे लेकिन वहां कोई भी डाक्टर मौजूद नही रहा। थकहारकर परिजन उसे शहर की ओर लेकर भागे जहां रास्ते में किशोर ने दम तोड़ दिया। परिजनों का आरोप है की अगर सामूदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में डाक्टर मौजूद होते तो शायद किशोर को बचाया जा सकता था। वैसे भी देखा जाए तो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर मौजूद नहीं रहते केवल फार्मासिस्ट के भरोसे चल रहा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामनगर । सूचना पर पहुंचे चौकी प्रभारी सिरसा हरगोविंद सिंह शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्यवाही में जुट गये।

कृष्ण भक्ति से ही होगा मानव जीवन का उद्धार : गौवत्स उज्जवल दास

नवाबगंज। कौरवेश्वरनाथ धाम में चल रही श्रीमद्भागवत कथा में सोमवार को भगवान कृष्ण जी के बाल्यकाल की लीलाओं का विस्तार से वर्णन किया आज की कथा में समापन के बाद भाजपा नेता राकेश यादव, विक्रम यादव, वीरेन्द्र यादव, ने व्यासपीठ पर विराजमान उज्जवल दास जी का माल्यार्पण एवं अभिनन्दन किया इस मौके पर संजीव केसरवानी, अम्बुज मिश्र, भानू यादव, लालचन्द्र यादव, नवीन शुक्ल, सत्यम गुप्ता, अमित केसरवानी, मुन्ना अनाड़ी, सत्यम शुक्ल, कल्लू सरोज, राजकुमार केसरवानी, गरूण केसरवानी, पवन केसरवानी, रामलाल साहू, शिव यादव, धनंजय मिश्र मनोज, सुप्रीत साहू, कंचन यादव आदि लोग

श्रीमद्भागवत कथा में भगवान कृष्ण की बाल लीलाओं का वर्णन करते हुए

उपस्थित रहे। कार्यक्रम के आयोजक रूद्र सेना प्रयाग के संचालक सुनील तिवारी रुद्र संचालक रूद्र ने आए हुए सभी अतिथियों एवं श्रोताओं का धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया।

मुसहर बस्ती में दबंगों का कहर उजाड़ दिया गरीब का आशियाना

उतरांव। (प्रयागराज) एक तरफ केंद्र व राज्य सरकार वनवासियों मुसहरो को हर तरह से लाभ दिया जाता है तथा सरकार द्वारा अधिकारियों को सख्त निर्देश दिया गया है कि इन्हें किसी प्रकार की कोई समस्या ना हो। वही सराय ममरेज थाना क्षेत्र के मोहिद्दीन पुर में 100 साल से बस्ती में रह रहे वनवासियों पर दबंगों ने कहर ढाह दिया। दबंगों ने वनवासियों के रखे छप्पर को ढहा कर उनका आशियाना उजाड़ दिया तथा जमीन पर जबरन कब्जा करने की नियत से बेघर करने की ठान ली थी। वही मुसहर का कुनबा सराय ममरेज थाना पहुंचकर अपने न्याय की गुहार लगाई तो मौके पर पहुंची पुलिस ने दबंगों को खदेड़ा। 18 सितंबर 2017 को देश के प्रधानमंत्री ने कहा कि आदिवासी व मुसहर समाज का देश में महान भूमिका रहा है।इनके द्वारा आजादी की जंग में अहम भूमिका निभाई है। 10 नवंबर 2018 को मोदी ने आदिवासियों को अपना भाई कहा था। एक तरफ प्रधानमंत्री आदिवासियों को भाई बना रहे हैं तो दूसरी तरफ प्रधानमंत्री के भाई को दबंग खदेड़ रहा हैं। वनवासी समाज को देश की मिनिस्ट्री में लाने के लिए सरकार की जिम्मेदारी होती है कि उन्हें मकान जमीन बिजली शिक्षा रोजगार मुहैया कराए सरकार अपनी जिम्मेदारियों को समझें और उसका पालन करें। वहीं दबंगों के कहर से मोहिद्दीन पुर में बसा गरीब कुनबा सहम गया।दबंगों के इस कारनामे से पूरे गांव में आक्रोश व्याप्त हैं। एक दशक से रह रहे बस्ती में गरीब कुनबे जमीन की लालच में दबंगों ने उन्हें घर से बेघर की नियत बनाई थी। जबकि वनवासियों का

दबंगों के खिलाफ प्रदर्शन करतीं आक्राशित महिलाएं

प्रधानमंत्री आवास भी बनाया गया हैं।क्या ये इंसान नहीं है सिर्फ इनका यह कसूर हैं कि ये गरीब है। पीड़ितों ने जिलाधिकारी प्रयागराज को प्राथना पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है। गरीब कुनबा परिवार मुख्यमंत्री से मिलने की बात कही। गांव की आशा देवी, उर्मिला, फुलवारी, रीता, सीमा, सावित्री, लगड़ी आदि ने दबंगो के खिलाफ हाथ उठाकर प्रदर्शन करते हुए आक्रोश जताया।

प्रयागराज हलचल

संक्षेप समाचार

पॉशर गैंग ने आरटीओ के प्रवर्तन दल पर किया जानलेवा हमला, दी धमकी

नैनी। सड़कों से गुजरने वाले ओवर लोड ट्रकों को पास कराने वाले हथियार बंद शोरेपुश्तों की शोरेपुश्ती के आगे सरकारी तंत्र भी बेबश नजर आ रहा है। सोमवार भोर में परिवहन विभाग की टीम नैनी कोतवाली क्षेत्र स्थित मामा भांजा तालाब पावर ग्रिड के समीप ओवरलोड वाहनों की चेकिंग करने पहुंची थी। जहां पॉशर गैंग ने टीम पर जानलेवा हमला कर दिए। साथ में धमकी देते हुए फरार हो गए। परिवहन विभाग के सहायक संभागीय अधिकारी की ओर से एक नामजद व चार अज्ञात के खिलाफ नैनी कोतवाली में सरकारी कार्य में बाधा समेत विभिन्न धाराओं में एफआईआर दर्ज कराया गया है। सोमवार को भोर में साढ़े तीन बजे सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी भूपेश कुमार गुप्ता प्रवर्तन दल की टीम के सिपाहियों अरुण सिंह व गुंजन तिवारी आदि के साथ चेकिंग करने के लिए निकले थे। भूपेश कुमार के मुताबिक उनकी गाड़ी का एक लग्जरी कार सवार लोग लगातार पीछा कर रहे थे और रीवां रोड से आने वाले ओवर लोड ट्रकों को हटा रहे थे। वहां ओवर लोड ट्रकों को रोककर वह चेकिंग कर रहे थे।

प्रयागराज में मजदूर समेत मिले दो शव

प्रयागराज। जनपद में बीते बारह घंटे के अंतराल में अलग अलग स्थानों पर मजदूर एवं वृद्ध के शव सोमवार को पाए गये। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की। पहली घटना खीरी थाना क्षेत्र की है। झारखण्ड के पश्चिम सिंह भूमि जनपद में जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र के कुदरीजोर गांव निवासी रमेश तिरिया (25) पुत्र जनार्दन तिरिया अकेले भाई और एक बहन थे। वह अपनी मां सुनीता समेत पूरे परिवार के भरण-पोषण के लिए मेजा स्थित एनटीपीसी में मजदूरी करता था और कोहड़ार गांव में कमरा लेकर रहता था। बताया जा रहा है कि सोमवार सुबह उसका शव खीरी थाना में कमरे पांच सौ मीटर दूर पाया गया। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की और उसके परिजनों को सूचना दे दी है। आशंका जताई जा रही है कि उसकी हत्या की गई है । दूसरी घटना के अनुसार करेली थाना क्षेत्र में पहलवान चैराहे के समीप सोमवार की सुबह 65वर्षीय हरिश्चंद्र जायसवाल का शव पाया गया। मूलतः हरिशचन्द्र जायसवाल लखनऊ के ऐशबाग का निवासी था। वह अविवाहित होने की वजह से अकेले कमरा लेकर रसूलपुर में रहता था। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की। पुलिस कहना है कि आस-पास के लोग मृतक वृद्ध का अन्तिम संस्कार करेंगे।

प्रयागराज में देर रात तक बिजली के लिए कई जगह किया रास्ताजाम

बिजली कर्मियों के कार्य बहिष्कार से प्रयागराज में बिजली व्यवस्था ध्वस्त हो गई है

प्रयागराज, जेएनएन। पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण के प्रस्ताव के खिलाफ सोमवार से बिजली कर्मचारियों ने कार्य बहिष्कार कर दिया है। इसका असर यह है कि शहर में बिजली को लेकर हाहाकार मचा है। तमाम छोटे-बड़े इलाकों में बिजली न आने से घरों में पेयजल आपूर्ति भी प्रभावित है। बिजली कटौती से आक्रोशित लोगों ने देर रात तक सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन किया। देर रात तक उपकेंद्रों का घेराव व रास्ताजाम भी किया गया। व्यवस्था संभालने में पुलिस को मशक्कत भी करनी पड़ी। हालांकि प्रशासनिक अधिकारियों ने कई इलाकों में आपूर्ति देर रात तक बहाल करवा दी।

रास्ताजाम करते लोग

बेली उपकेंद्र के बाहर प्रयागराज-लखनऊ राजमार्ग पर गुस्साए लोगों ने रास्ताजाम कर दिया था। शहर में कई अन्य जगह रास्ताजाम किया गया। बिजली कर्मी उपकेंद्रों पर ताला लगाकर नदारद रहे और अधिकारियों के फोन स्विच ऑफ रहे तो लोगों के गुस्से को शांत करने के लिए पुलिस को भी काफी मशक्कत करनी पड़ी। प्रशासनिक अधिकारियों ने दूसरे फीडरों से कुछ इलाकों में बिजली आपूर्ति बहाल कराई गई। ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली व्यवस्था पूरी तरह बेपटरी रही।

जब काफी देर तक बिजली नहीं आई तो लोगों का पारा गरम होने लगा। तेलियरगंज, मजार तिराहा, न्यू एमइएस, रामबाग समेत कई उपकेंद्रों पर लोग पहुंच गए। यहां ताला लटक रहा था। लोगों ने हंगामा करते हुए नारेबाजी शुरू कर दी। जानकारी पाकर पुलिस मौके पर पहुंची। लोगों को समझाते हुए सूचना अफसरों को दी तो कुछ कर्मचारी पहुंचे और उपकेंद्र का ताला खोलकर आपूर्ति बहाल की। कुछ देर बाद फिर बिजली गुल हो गई। हालांकि, सिविल लाइंस इलाके में आपूर्ति होती रही। अन्य स्थानों पर शाम तब आपूर्ति बहाल नहीं हुई तो लोग करेली, करेलाबाग, फोर्ट रोड, खुसरोबाग, रामबाग, गऊघाट, कल्याणी देवी, बेली रोड, प्रीतम नगर, कसारी-मसारी समेत अन्य उपकेंद्रों पर लोग पहुंच गए और हो-हल्ला करने लगे। बेली चौराहे, मजार तिराहा में रास्ताजाम कर दिया गया। इससे प्रयागराज-लखनऊ राजमार्ग जाम हो गया। पुलिस ने किसी तरह एक तरफ का रास्ता खुलवाया।

खुशरोबाग उपकेंद्र के सामने लोगो की भीड़। प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुचे। चौफटका पर भी प्रदर्शन हुआ। वहीं अटाला में भी रास्ताजाम की कोशिश हुई, लेकिन पुलिस ने सभी को खदेड़ दिया। पार्षद मुकुंद तिवारी और रंजन प्रजापति के नेतृत्व में तेलियरगंज उपकेंद्र पर पहुंचकर लोगों ने घेराव किया। मुकुंद तिवारी ने कहा कि वैकल्पिक व्यवस्था न होने के कारण लोगों को बिजली-पानी संकट का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा नैनी, झूंसी और फाफामऊ में भी बिजली संकट रहा। इससे आक्रोशित लोग सड़क पर उतरे लेकिन देर रात तक समस्या हल नहीं हुई।

पुलिस ने मुकदमा लिखकर आरोपित संजय गुप्ता को गिरफ्तार कर लिया।

अधिकारियों के छूटे पसीने

दिन भर प्रशासनिक अफसर व्यवस्था में जुटे रहे। लोक निर्माण विभाग, नगर निगम के साथ ही अन्य विभागों में तैनात बिजली कर्मियों को तैनात किया जाने लगा। उपकेंद्रों पर संविदा पर कार्यरत कर्मचारियों से भी कार्य करने को कहा गया। हालांकि, अधिकांश संविदा कर्मियों ने हामी नहीं भरी। वहीं सोरांव, फूलपुर, हंडिया, बारा, करछना, मेजा, कोरांव तहसील के एसडीएम ने बिजली उपकेंद्रों पर राजस्व कर्मियों की ड्यूटी लगाई, लेकिन कोई नहीं पहुंचा। राजस्व कर्मियों ने इसका खुलकर विरोध भी कर दिया।

मुख्यमंत्री ने कोबास 6800 लैब एवं कोविड अस्पताल का लोकार्पण किया

प्रयागराज क्षेत्र के आस-पास के जनपदों को भी मिलेगा लाभ : मुख्यमंत्री

प्रयागराज। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को वीडियो वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रयागराज स्थित स्वरूपरानी नेहरू चिकित्सालय में पीएमएसएसवाई ब्लाक में बनाये गये 220 शैय्या वाले कोविड 19 चिकित्सालय एवं स्वरूपरानी अस्पताल में ही स्थापित किए गए प्रदेश की प्रथम कोबास-6800 लैब का लोकार्पण किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि कोविड-19 से जांच एवं उपचार में यह दोनों मील का पत्थर साबित होंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना के अन्तर्गत नवनिर्मित सुपर स्पेशलियटी ब्लाक में उच्च सुविधाओं से युक्त कोविड मरीजों हेतु बनाये गये 220 बेडों में से 140 बेड आइसीयू के व 80 बेड आइसोलेशन के हैं। कोविड-19 अस्पताल में सभी चिकित्सकीय उपकरणों के साथ-साथ जीवन रक्षक ऑक्सीजन गैस हेतु सेंट्रल ऑक्सीजन की सुविधा सहित अन्य सभी अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि कोबास-6800 लैब उत्तर प्रदेश का पहला लैब है। इससे कोरोना टेस्ट की गुणवत्ता एवं क्षमता को बढ़ाने में मदद मिलेगी और प्रतिदिन

वीडियो वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से लोकार्पण करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

1500 सैम्पलों की जांच गुणवत्तापूर्ण ढंग से हो सकेगी। स्वरूपरानी चिकित्सालय में बनाये गये कोविड-19 चिकित्सालय एवं कोबास-6800 लैब का लाभ प्रयागराज जनपद के आस-पास के अन्य जनपदों को भी मिलेगा। जिसमें मिजार्पुर, चित्रकूट, बांदा, प्रतापगढ़, कौशाम्बी, फतेहपुर सहित अन्य जनपदों के लोग भी इसका लाभ उठा सकेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वैश्विक महामारी को नियंत्रित करने में प्रधानमंत्रीजी के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश में अभूतपूर्व कार्य किया गया है। जिसमें केन्द्र सरकार का महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ है। उत्तर प्रदेश सरकार इस महामारी को रोकने एवं इसके इलाज में पूरी मजबूती एवं प्रतिबद्धता के साथ निरंतर कार्य कर रही है, जिसमें सभी लोगो के सहयोग से अभूतपूर्व सफलता भी मिली है। प्रदेश सरकार कोविड हेतु बनाये गये एल-1, एल-2 व एल-3 अस्पतालों में बेडों की पर्याप्त संख्या में व्यवस्था सुनिश्चित की है। वहां ऑक्सीजन, वेंटीलेटर, पीपीई किट, दवाओं सहित अन्य आवश्यक चीजों की समुचित व्यवस्था भी सुनिश्चित की गयी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य चिकित्सा में आमूल-चूल परिवर्तन हुआ है। प्रदेश में कई नए मेडिकल कालेजों की स्थापना एवं पहले से स्थापित मेडिकल कालेजों में सुपर स्पेशलियटी अस्पताल की व्यवस्था की गयी है। इसके लिए उन्होंने केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन का आभार व्यक्त किया। कहा कि प्रधानमंत्रीजी के मार्गदर्शन एवं केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री के सहयोग से यह सम्भव हो सका है।

कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए केन्द्रीय मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने कोरोना को नियंत्रित करने में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा किए गए अभूतपूर्व प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अथक प्रयास से ही उत्तर प्रदेश में कोविड-19 को नियंत्रित करने में आशातीत सफलता मिली है। उत्तर प्रदेश के मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि स्वरूपरानी चिकित्सालय में स्थापित कोविड-19

मुख्यमंत्री की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़े अधिकारीगण

अस्पताल, जिसका आज मुख्यमंत्री द्वारा लोकार्पण किया गया, यह आल इन वन मॉडल अस्पताल के रूप में है। यहां पर सारी सुविधाएं एक साथ उपलब्ध है। उन्होंने कोरोना के बचाव एवं इलाज के लिए किए जा रहे अथक प्रयास के लिए मुख्यमंत्री को बधाई दी।

कलेक्ट्रेट स्थित एनआईसी कक्ष में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से मुख्यमंत्री द्वारा किए गए लोकार्पण कार्यक्रम के अवसर पर सांसद फूलपुर श्रीमती केशरी देवी पटेल, विधायक शहरी उत्तरी हर्ष वर्धन वाजपेयी, मण्डलायुक्त आर0 रमेश कुमार, आईजी केपी सिंह, जिलाधिकारी भानु चन्द्र गोस्वामी, मेडिकल कालेज के प्रधानाचार्य डॉ. एसपी सिंह, मुख्य विकास अधिकारी आशीष कुमार सहित अन्य सम्बंधित अधिकारी एवं चिकित्सकगण उपस्थित रहे।

निजीकरण के खिलाफ बिजली कर्मचारियों ने किया धरना प्रदर्शन

प्रयागराज। निजीकरण के खिलाफ बिजली कर्मचारियों ने सोमवार को जोरदार आवाज उठाई। जॉर्ज टाउन बिजली घर पर जुटे कर्मचारियों ने धरना प्रदर्शन कर सरकार के खिलाफ नारे लगाए। निजीकरण के विरोध में बिजलीकर्मी व इंजीनियरों के अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार का असर पहले दिन से दिखने लगा है। तेलियरगंज इलाके के एक दर्जन मोहल्लों की बिजली सप्लाई सोमवार सुबह पांच बजे से बंद हो गई। दोपहर एक बजे तक बिजली सप्लाई बहाल नहीं हुई थी। वहीं जिले में बिजली आपूर्ति में कोई व्यवधान उत्पन्न न हो, इसके लिए प्रशासन ने पूरी तैयारी कर ली है। विभिन्न सरकारी कार्यालय में बिजली विभाग की टीम को लगाया गया है। साथ ही उपकेंद्रों पर संविदा पर तैनात कर्मियों की भी मदद ली जाएगी। डिप्लोमा करने वाले युवकों और प्रवासी कामगारों की भी सूची तैयार कर उन्हें बुलाया गया है।

निजीकरण के खिलाफ प्रदर्शन करते बिजली विभाग के कर्मचारी

निजीकरण के खिलाफ बिजली कर्मचारियों ने उठाई आवाज

प्रयागराज। निजीकरण के खिलाफ बिजली कर्मचारियों ने सोमवार को जोरदार आवाज उठाई। जॉर्ज टाउन बिजली घर पर जुटे कर्मचारियों ने धरना प्रदर्शन कर सरकार के खिलाफ नारे लगाए। निजीकरण के विरोध में बिजलीकर्मी व इंजीनियरों के अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार का असर पहले दिन से दिखने लगा है। तेलियरगंज इलाके के एक दर्जन मोहल्लों की बिजली सप्लाई सोमवार सुबह पांच बजे से बंद हो गई। दोपहर एक बजे तक बिजली सप्लाई बहाल नहीं हुई थी। जिससे आम लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है ' संविदा पर करने वाले युवकों और प्रवासी कामगारों की भी सूची तैयार कर उन्हें बुलाया गया है ' बिजली कर्मचारियों का देर रात 12 बजे के बाद से कार्य बहिष्कार शुरू हो गया है।

प्रयागराज में गांगेय डॉल्फिन जलज सफारी की शुरूआत

प्रयागराज। गांगेय रिवर डॉल्फिन राष्ट्रीय दिवस के उपलक्ष्य में प्रयागराज संगम नोज पर सोमवार को जलज सफारी का आयोजन कर हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

मुख्य अतिथि सिटी मजिस्ट्रेट रजनीश मिश्रा, सिफरी निदेशक डी.एन झा, प्रभागीय वन अधिकारी वाई.पी शुक्ला, पर्यावरण अभियंता उत्तम वर्मा, गंगा विचार मंच से राजेश शर्मा सदस्य गंगा नगर समिति के नेतृत्व में उद्घाटन करके जलज सफारी को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर भारतीय वन्य जीव संस्थान के विशेषज्ञ विपुल मौर्या ने कहा कि संगम क्षेत्र में देश विदेश से आने वाले पर्यटकों को जलज सफारी के माध्यम से जलीय जीव के बारे में महत्वपूर्ण

जलज सफारी को रवाना करते मुख्य अतिथि

जानकारी देने में प्रमुख रूप से केपी उपाध्याय, सुमित व गंगा प्रहरी द्वारा समय-समय पर जल जीव संरक्षण हेतु स्थानीय समुदाय को प्रेरित करते रहेंगे।

उल्लेखनीय है कि नमामि गंगे के अंतर्गत भारतीय वन्य जीव संस्थान गंगा के उद्गम स्थल से गंगा सागर तक तथा गंगा की सहायक नदियों में जैव विविधता के अंतर्गत पाई जाने वाली डॉल्फिन घड़ियाल कछुआ व अन्य जलीय जीवों के संरक्षण में शोध कर रहा है।

पल्सर सवार बदमाशों ने पूर्व नायब सूबेदार के चार लाख 21 हजार रुपए उड़ाए

नैनी। औद्योगिक क्षेत्र स्थित आईटीआई कंपनी गेट के समीप पल्सर सवार दो बदमाशों ने सोमवार को एक पूर्व नायब सूबेदार के लगभग चार लाख इक्कीस हजार रुपए लेकर फरार हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच की तो बदमाशों की फुटेज सीसीटीवी कैमरे में कैद मिली। भुक्तभोगी ने बदमाशों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए औद्योगिक क्षेत्र थाने में तहरीर दी है।

जानकारी के मुताबिक औद्योगिक क्षेत्र के महुआरी गांव निवासी रघुराज सिंह पुत्र स्वर्गीय ओमकार नाथ सिंह भारतीय सेना से नायब सूबेदार पद से सेवानिवृत्त हो चुके हैं।वह सोमवार दोपहर लगभग एक बजे अपने नाती सत्यम सिंह पुत्र विनोद कुमार सिंह के साथ नैनी कोतवाली क्षेत्र स्थित भारतीय स्टेट बैंक पहुंचे और अलग-अलग दो बार में क्रमशः चार लाख इक्कीस हजार व 49 हजार रुपए बचत खाते से निकाले। रघुराज सिंह ने 49 हजार रुपए को अपने ही दूसरे अकाउंट में जमा कर दिए।

बाकी के बचे चार लाख इक्कीस हजार रूपए एक बैग में रखते हुए मोपेड की डिग्गी लाक कर रखते हुए घर की ओर रवाना हो गए। जैसे ही औद्योगिक क्षेत्र के आईटीआई कंपनी गेट के समीप कुशवाहा फल के निकट पहुंचे तो वह मोपेड खड़ी कर अपने नाती के साथ फल खरीदने लगे। तभी एक काली रंग पल्सर बाइक पर सवार दो बदमाश पहुंचे, एक शातिर हेलमेट व दूसरा मास पहने हुए थे। दोनो बदमाश आनन-फानन में बाइक की डिग्गी का लाक तोड़कर रुपयों से भरे बैग लेकर फरार हो गए। यह देख रघुराज सिंह और उनका नाती सत्यम ने शोर मचाते हुए बदमाशों का पीछा किए, लेकिन बाइक सवार बदमाश बड़ी तेज रफ्तार में नैनी की ओर फरार हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल करते हुए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे को खंगाला तो बदमाशों की करतूत कैद मिली।

सीसीटीवी कैमरे में कैद पल्सर सवार बदमाशों की फुटेज

पत्नी के अकाउंट में जमा करना था रुपए

नैनी। पूर्व नायब सूबेदार रघुराज सिंह पुत्र स्वर्गीय ओंमकार नाथ सिंह भारतीय स्टेट बैंक से अपने बचत खाते से दो बार में पैसे 49 हजार व चार लाख इक्कीस हजार रूपए निकाले और वह अपने ही दूसरे अकाउंट 49 हजार रूपए में जमा कर दिए।जबकि चार लाख इक्कीस हजार रूपए वह अपनी पत्नी के बचत खाते में जमा करना चाह रहे थे, लेकिन पैन कार्ड न होने की वजह से वह रुपए जमा नहीं कर पाए और वही पैसे लेकर घर की ओर जा रहे थे। बताया जाता है कि पल्सर सवार दोनों बदमाश बैंक से ही उनके पीछे लगे हुए थे और औद्योगिक क्षेत्र स्थित आईटीआई कंपनी गेट के समीप पहुंचने पर वारदात को अंजाम देते हुए फरार हो गए।

अखण्ड भारत संदेश के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम कियायोग आश्रम एवं अनुसंधान सस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक
स्वामी श्री योगी सत्यम

पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा। आरएनआई नं0: UPHIN2001/9025

अखण्ड भारत सन्देश

प्रयागराज मंगलवार, 6 अक्टूबर, 2020

क्रियायोग सन्देश

क्रियायोग आश्रम में स्वर्गीय श्री बी०पी० सिंहल जी व स्वर्गीय श्रीमती शकुन्तला जी की स्मृति में प्रार्थना सभा

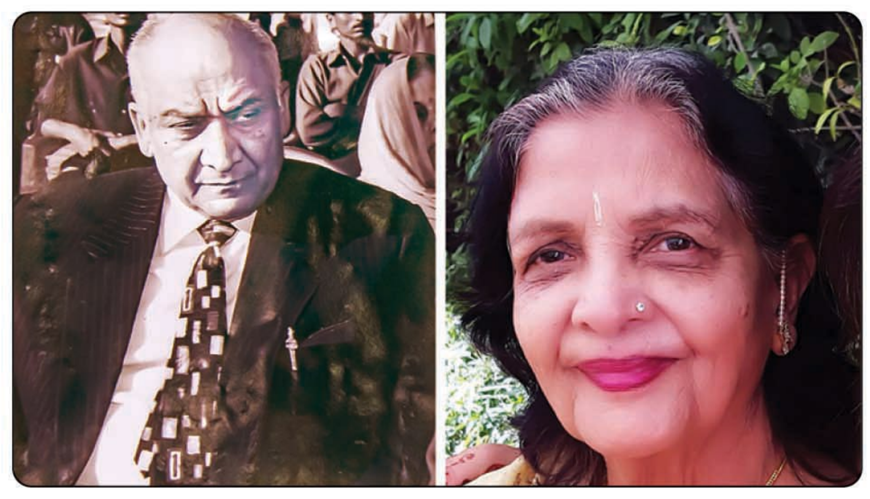

झूंसी प्रयागराज। क्रियायोगा आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान में एक शांति प्रार्थना का कार्यक्रम गुरुदेव स्वामी श्री योगी सत्यम जी के द्वारा आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम स्वर्गीय श्री बी०पी० सिंघल जी और उनकी धर्म पत्नी, स्वर्गीय श्रीमती शकुंतला जी की दिवंगत आत्मा के लिए किया गया। श्रीमती शकुंतला जी का स्वर्गवास कुछ दिन पहले हुआ था। क्रियायोग अभ्यास कर रहे देश-विदेश के साधकगणो ने आयोजित प्रार्थना सभा में भाग लिया और क्रियायोग अभ्यास किया।

गुरुजी ने श्री बी०पी० सिंघल जी के बारे में संक्षेप में उपस्थित जनों को बताया। श्री बी०पी० सिंघल जी राज्यसभा के एमपी थे और उसके पहले उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक थे । श्री बी० पी० सिंहल क्रियायोग का अभ्यास करते थे ।

श्री सिंघल जी का क्रियायोग आश्रम की स्थापना में अद्वितीय सहयोग किया है। क्रियायोग के विश्व व्यापी प्रचार-प्रसार के लिए बी०पी० सिंहल जी का बड़ा योगदान रहा है। बी०पी० सिंघल जी स्वर्गीय श्री अशोक सिंघल जी के छोटे भाई थे जो विश्व हिंदू परिषद के अध्यक्ष थे। श्री सिंघल जी की पुस्तक 'मां की पुकार' एक बहुत सुन्दर व्यवहारिक आध्यात्मिक सद्ग्रन्थ है जो व्यापक रूप से प्रशंसित है।

गुरुदेव स्वामी श्री योगी सत्यम जी के बारे, भारतीय योग के बारे में सिंघल जी ने लिखा है उसका भावार्थ इस प्रकार है ......

'क्रियायोग स्वयं की दिव्यता अनुभव करने का मार्ग है। इस मार्ग पर चलने से विभिन्न बीमारियां स्वयं ठीक हो जाती हैं। जो बीमारियां इस मार्ग पर चलने से ठीक हुई हैं, वह सुनने व जानने में सामान्य लोगों के लिये वास्तव में अविश्वसनीय है लेकिन हुए हैं। ल्यूकीमिया, एन्लार्ज्ड हॉर्ट, आर्थराइटिस, डायबिटीज और अन्य बीमारियां जो इंक्यूरेबल मानी गई हैं, क्रियायोग के अभ्यास से ठीक हो गई है। क्रियायोग का प्रभाव वास्तव में चमत्कारी है।

डॉक्टर योगी सत्यम जी क्रियायोग के प्रमुख प्रतिपादक है और एक शक्तिशाली आध्यात्मिक संदेशवाहक हैं जो भारत की धरती पर सदियों में कभी कभार जन्म लेते हैं। हमने 10 दिन का क्रियायोग कैम्प क्रियायोग आश्रम में किया था। आश्रम का जीवन शान्तिपूर्ण अनुशासित है, सरल है लेकिन आश्रम का वातावरण और कार्यक्रम मानसिक स्थिति को ऊपर उठाने में पूर्ण सक्षम है। मैं मुसलमान और ईसाई भक्तों को आश्रम में अपने हिंदू भाइयों की तरह आनंदित देखकर बहुत प्रसन्न हुआ।'

आश्रम के निवासी, जो देश विदेश से आए हुए थे, इस शुभ समारोह में भाग लिया...अमेरिका, कनाडा जर्मनी, आयरलैंड, ब्राजील, यूरोप, दक्षिण अफ्रीका, नेपाल और सिंगापुर से आए हुए साधक ने मिलकर प्रेम पूर्वक श्री बी०पी० सिंघल जी और श्रीमती शकुंतला जी की आत्मा पर ध्यान करते हुए प्रार्थना किया ।

PRAYER CONGREGATION FOR DEPARTED SOULS – SHRI B.P. SINGHAL AND WIFE, SMT. SHAKUNTALA

At Kriyayoga Ashram and Research Institute, Jhunsi, Prayagraj

A special ceremony for late Shri B.P. Singhal ji and his wife, late Smt. Shakuntala ji, who recently merged with The Infinite, was held at the Kriyayoga Ashram and Research Institute. The ceremony was conducted by Guruji Swami Shree Yogi Satyam during the morning Kriyayoga meditation session.

Guruji gave an introduction about the late Shri B.P. Singhal ji and his loving life-partner. Shri B.P. Singhal, ex-BJP MP of Rajya Sabha, and former DGP of Uttar Pradesh was a great proponent of the teachings of Guruji.

A short prayer and meditation session was held in honour of these great loving souls. Shri B.P. Singhal ji was one of the first few who gave strength, support and recognition to Kriyayoga, establishing Kriyayoga Ashram and Research Institute on the grounds of where it stands today. Shri B.P. Singhal ji helped greatly to procure the main campus of the meditation hall for spreading the teachings of Kriyayoga worldwide. He was the younger brother of the late Shri Ashok Singhal ji – former Chief of VHP (Vishwa Hindu Parisha)

His great achievements in life can be described as such:

Shri BP Singhal is a highly eminent personality of India who as a teacher, administrator and writer has already become a living legend. Shri Singhal, from the very beginning of his career had a penchant for excellence in academics. He has left an indelible imprint in the realms of administration, as the Chairman of CBFC (Central Board of Film Certification), as Additional Secretary, Govt of India, and as Principal of Dr BR Ambedkar Police Training College for a number of years. His concept of Indian education is the one which combines true Indian culture with western advanced technology. His book 'Maa ki Pukar' has been widely acclaimed through the length and breadth of this country and is a rare treatise on human values and value based education. Shri Singhal is a Member of Parliament of India.

Referring to Guruji as a "spiritual giant", Shri B.P. Singhal ji wrote in a testimonial about his experience with Guruji and Kriyayoga as follows:

" The path of Kriya Yog is in fact the path to achieving the Divinity itself. What is remarkable about this path is that the curing of various illnesses and physical ills is merely a by-product in the pursuit of this path. Though a by-product of the path to Godhood, nevertheless, the kind of illnesses that have been cured is incredible. Leukemia, enlarged heart, arthritis, diabetes, etc., illnesses that are considered incurable, have been cured completely in numberless cases by regular and continuous practice of Kriya Yog. The impact of Kriya Yog on the physical being of the individual is truly miraculous.

Dr. Yogi Satyam is the leading exponent of Kriya Yog and has emerged as a powerful spiritual messenger in the long line of spiritual giants that India has produced. I had occasion to camp at his Ashram for ten days. Life at the Ashram is austere and simple but the atmosphere and programmes are elevating. It was a special delight to see that Muslims and Christians were also deriving the same bliss as their Hindu brothers..."

All residents of the institute participated in this auspicious ceremony which was charged with loving peaceful vibrations of all those present. Participants from all over the world – U.S.A., Canada, Germany, Ireland, South Africa, Europe, Brazil, Singapore and Nepal, to name a few – participated in the ceremony and prayed for the departed loving souls.